'सत्य साहित्य' के उद्देश्य और नियम

उद्देश्य

1. 'सत्य साहित्य' का मुख्य उद्देश्य श्री स्वामी सत्यानंद जी महाराज के लोक कल्याणकारी साहित्य का व्याख्यात्मक शैली से प्रकाशन करना है।
2. 'सत्य साहित्य' का दूसरा उद्देश्य है उस साधना पद्धति का प्रचार और प्रसार करना जो सच्ची और सरल है, वेद शास्त्र सम्मत है और भावुक साधकों के अनुभव में आ चुकी है।

नियम

1. 'सत्य साहित्य' हर तीन माह में प्रकाशित होगा।
2. 'सत्य साहित्य' में परम पूज्य स्वामी श्री सत्यानंद जी महाराज, परम पूज्य श्री प्रेम जी महाराज एवं परम पूज्य महाराज जी के प्रकाशित व अप्रकाशित साहित्य से सम्बन्धित विचार प्रकाशित होंगे।
3. 'सत्य साहित्य' के 'अनुभूतियाँ' विभाग में गुरुजनों के सम्पर्क या परिचय में आए हुए साधकों के अपने अनुभव प्रकाशित होंगे।
4. 'सत्य साहित्य' के 'पत्र और उत्तर' विभाग में साधकों के पत्र और उनके उत्तर उनके पत्रों के आधार पर प्रकाशित होंगे।
5. 'सत्य साहित्य' में गुरुजनों के साहित्य और सिद्धान्तों से सम्बन्ध रखने वाली कविताएँ, गीत आदि भी प्रकाशित हो सकेंगे।
6. 'सत्य साहित्य' में प्रकाशनार्थ आई हुई सामग्री को शीघ्र या विलम्ब से प्रकाशित करना श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट्, नई दिल्ली, के अधीन होगा।
7. आवश्यकतानुसार नियमों में परिवर्तन, परिवर्धन हो सकेगा, किन्तु ध्येय वही रहेगा जो इन नियमों से प्रकट है। ■

यदि आप 'सत्य साहित्य' की इस प्रति को नहीं रखना चाहते,
तो कृपया इसे अपने स्थानीय केन्द्र या निकटतम श्रीरामशरणम् को लौटा दें।

प्रकाशक मुद्रक श्री अनिल दीवान द्वारा श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट, 8 ए रिंग रोड, लाजपत नगर–IV नई दिल्ली. 110024 से प्रकाशित
एवं रेव स्कैनस प्राइवेट लिमिटेड, ए–27, नारायणा औद्योगिक ऐरिया, फेज़ 2, नई दिल्ली 110028 से मुद्रित। संपादकः मेधा मलिक कुदेसिया एवम् मालविका राय

Publisher and printer Shri Anil Dewan for Shree Swami Satyanand Dharmarth Trust, 8-A Ring Road, Lajpat Nagar IV, New Delhi 110024 and
printed at Rave Scans Private Limited, A-27, Naraina Industrial Area, Phase 2, New Delhi 110028. Editors: Medha Malik Kudaisya and Malvika Rai.

©श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट, नई दिल्ली
ईमेल: shreeramsharnam@hotmail.com
वेबसाईट: www.shreeramsharnam.org

RNI No. DELBIL/2017/72924